ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८५
दिनांक– शुक्रवार, ०४ दिसम्बर, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमषः 26.4 एवं 12.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 4.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 15.6 एवं दोपहर में 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(05–09 दिसम्बर, 2020)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 05–09 दिसम्बर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में कहीं–कहीं हल्के बादल छा सकते है तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा देखे जा सकते है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 13–14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 5 से 7 कि0 मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्य रुप से पूरवा हवा चलने की संभावना है। बेगुसराय, समस्तीपुर, वैशाली, सीवान तथा मुजफ्फरपुर जिले में ७–८ दिसंबर में पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिषत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- गन्ना की रोपाई के लिए स्वस्थ बीज का चयन करें। इसके लिए सी0ओ0पी0– 9301, सी0ओ0पी0–2061, सी0ओ0पी0– 112, बी0ओ–91, बी0ओ– 153 एवं बी0ओ0– 154 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषंसित हैं। कार्वेन्डाजिम दवा के 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर गन्ना के गेड़ियों को 10–15 मिनट तक उपचारित कर रोपाई करें। दीमक, कल्ला एवं जड़ छिद्रक कीट से बचाव हेतु बीज को क्लोरपाईरिफॉस 20 ई0सी0 का 5 लीटर प्रति हेक्टेयर रोपनी के समय पोरियों पर सिराउर में छिड़काव करें।
- सब्जियों वाली फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।
- रबी प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करे। खेत की जुताई में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। जिन किसान का प्याज का पौध 50–55 दिनों का हो गया हो वें छोटी–छोटी क्यारीयाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें। क्यारीयों का आकार, चौड़ाई 1.5 से 2.0 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–5 मीटर रखे। पिछात प्याज की पौधषाला से प्रत्येक 10 से 12 दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- लहसुन की फसल में निकाई–गुराई करें तथा कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से सिंचाई करें। लहसुन में कीट–व्याधी की निगरानी करें।
- चना की बुआई अतिषीघ्र सम्पन्न करने का प्रयास करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय), के0डब्लू0आर0 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 अनुषंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- 10 दिसम्बर के बाद गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई की सलाह दी जाती है। इसके लिए अभी से ही प्रमाणित स्त्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। उत्तर बिहार के लिए गेहूँ की पिछात किस्में जैसे पी0बी0डब्लू0 373, एच0डी0 2285, एच0डी0 2643, एच0यू0डब्लू0 234, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 14, एन0डब्लू0 2036, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 अनुषसित है।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए 80 किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए 20 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- रबी मक्का की बुआई सम्पन्न कर लें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। जिन किसानों के खेतों में आलू के पौधों की उॅचाई 15–20 से0मी0 हो गयी हो उन्हे आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई सम्पन्न करने का प्रयास करें। राई की फसल जो 20 से 25 दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी 12–15 से0मी0 रखें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठ्ठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/ 1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।
- दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान पान पर विषेष घ्यान दें। खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें। दुधारु पशुओं के दुध में निम्न तापमान के कारण आयी कमी को दूर करनें के लिए नियमित रुप से दाने के साथ कैल्सियम भी खिलायें। पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 25.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 11.9 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी